साँची सोलर सिटी कम करेगी लगभग 14000 टन कार्बन उत्सर्जन

चर्चा में क्यों?

28 अगस्त, 2023 को मध्य प्रदेश के जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार देश की पहली सोलर सिटी साँची में ग्रिड कनेक्टेड संयंत्र, रूफटॉप, सोलर घरेलू उपकरण, सौर संचालित सार्वजनिक सुविधाओं के संयंत्रों और ई-मोबिलिटी से सालाना 13 हज़ार 747 टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी।

प्रमुख बिंदु

- सम्राट अशोक द्वारा बनवाए गए प्रथम स्तूप से देश-विदेश में विख्यात भोपाल से 46 किलोमीटर दूर स्थित साँची शहर ने अब सौर ऊर्जा निर्माण में भी अपनी नई पहचान बनानी शुरू कर दी है।
- साँची में 8 मेगावाट के ग्रिड कनेक्टेड संयंत्र स्थापित किये गए हैं। इनसे अनुमानित ऊर्जा उत्पादन 147.2 लाख यूनिट है। साल में इससे 6 करोड़ 3 लाख रुपए की बचत के साथ 12 हज़ार 656 टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी।
- शहर के भवनों पर 235 किलोवाट के रूफटॉप सिस्टम स्थापित किये गए हैं, जिनसे 5 लाख यूनिट से अधिक ऊर्जा उत्पादन होगा और सालाना 22 लाख 65 हज़ार रुपए तथा 438 टन कार्बन उत्सर्जन की बचत होगी।
- घरेलू उपकरण- सोलर स्टडी लैंप, लालटेन, स्टैंड-लैंप से 11 टन, ऊर्जा दक्ष उपकरण, जैसे- एलईडी बल्ब, ट्यूबलाइट और बीएलडीसी सीलिंग फैन से 452 टन, सार्वजनिक सुविधाओं के लिये स्थापित किये गए 54.45 किलोवाट के सौर संयंत्रों से 171 टन और ई-मोबिलिटी से 19 टन कार्बन की कमी होगी।
- यह कमी पर्यावरण संरक्षण के साथ लोगों के स्वास्थ्य के लिये भी हितकर होगी। इन सबसे लगभग 160 लाख यूनिट ऊर्जा के साथ 7 करोड़ 18 लाख रुपए की बचत होगी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sanchi-solar-city-to-reduce-about-14000-tonnes-of-carbon-emissions